पृष्ठभूमि

- अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के पश्चात् अमेरिका एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में विश्व के मानचित्र पर स्थापित हुआ तथा उसने विश्व का पहला लिखित संविधान बनाकर **संघीय शासन प्रणाली** की स्थापना की।
- इस स्वतंत्रता संग्राम में सभी अमेरिकी राज्यों ने एकजुट होकर उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष किया था, किन्तु 1860 के दशक में अमेरिकी राज्यों के बीच ही गृह युद्ध छिड़ गया।
- कुछ इतिहासकारों का मानना है कि अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में ही गृहयद्ध के बीज विद्यमान थे तो कुछ गृह युद्ध को पूँजीवादी आंदोलन मानते हैं तथा कुछ इतिहासकारों ने **दास प्रथा** को गृहयुद्ध के लिए जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिकी गृह युद्ध संयुक्त राज्य अमेरिका के **उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच 1861 से 1865 ई. के मध्य चार वर्षों तक चला।**

Scanned with CamScanner

गृह युद्ध का कारण

- अमेरिका के संविधान में यह घोषणा की गयी थी कि **सब मनुष्य जन्म से बराबर हैं।** पर यह बात गोरे लोगों पर लागू होती थी, कालों पर नहीं। अमेरिका के राज्यों में दास-प्रथा उसकी स्वतंत्रता की घोषणा से दो सौ वर्ष पहले आरम्भ हो चुकी थी।
- अमेरिका की स्वतंत्रता की घोषणा में निहित सिद्धान्त दास-प्रथा की जड़ों पर अघात करते थे। उत्तर में लोगों ने दासता विरोधी अभियान चलाया और घोषणा-पत्र को सार्थक बनाने के लिए सभी अमेरिकी राज्यों से अग्रह किया। दासता विरोधी अभियान का एक रूप यह भी था कि जो दास मालिकों से बचकर भागने का प्रयास करे उसे रातों-रात उत्तर में सुरक्षित स्थान पर अथवा सीमा के पार कनाडा में पहुँचा दिया जाता था।
- **19वीं शताब्दी** के **चौथे दशक** में उत्तर के सब भागों में इस प्रकार से भागने वाले दासों के लिए गुप्त मार्गो का एक जाल फैल चुका था और इस व्यवस्था को **अंडर ग्राउंड रेल-रोड** कहा जाता था। उत्तर-पश्चिमी प्रदेश में यह **कार्यवाही बहुत सफलता** से हो रही थी।

Scanned with CamScanner

किन्तु दक्षिण में **दास-प्रथा** जनजीवन में घुल चुकी थी। अतः यहाँ के दास स्वामियों ने दास-विरोधी भावनाओं का तिरस्कार किया। दासता का प्रश्न **उत्तर** और **दक्षिण** के मध्य विवाद का विषय बन गया। दक्षिण के निवासियों ने दासों को अपनी निजी सम्पत्ति माना किन्तु उत्तर के निवासियों ने इसे मानवता के लिए कलंक कहा। निःसन्देह दास-प्रथा में अनेक दोष भी थे, जिनकी दास-प्रथा के प्रबल विरोधी तथा दास स्वामी दोनों ही समान रूप से कटु आलोचना करते थे।

उत्तरी तथा दक्षिणी राज्यों के मध्य दास प्रथा को लेकर जो मतभेद उत्पन्न हुए उन्हें सुलझाने के कई प्रयत्न भी किए गए थे। सीनेटर **हेनरी क्ले** ने इस सम्बंध में अनेक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। सितम्बर, 1850 ई. में कांग्रेस ने इस सम्बंध में पाँच कानून बनाए, जिसमें **कोलम्बिया** जिले में **दास व्यापार** समाप्त करने तभा **भगोड़े दास कानून** (Fugitive Slave Law) महत्वपूर्ण हैं। सन् 1850 ई. का यह कानून अत्यंत कठोर था।

Scanned with CamScanner

- **भगोड़े दास कानून** पर श्रीमती **हैरियट बीचर स्टोवे** (Herriat Beecher Stowe) को **अंकल टाम्स केबिन** (Uncle Tom's Cabin) नामक उपन्यास लिखने की प्रेरणा मिली, जिसमें दास-प्रथा का इतना सटीक चित्रण किया गया था कि उत्तर और दक्षिण के लोगों में इस प्रथा की वीभत्सताओं के प्रति घृणा व्याप्त हो गयी।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी राज्यों की स्थिति **जननांकीय एवं आर्थिक दृष्टि से अपेक्षाकृत मजबूत** थी। जिसमें संघ के 34 राज्यों में से 23 राज्य सम्मिलित थे तथा देश की कुल जनसंख्या का 2/3 भाग उत्तर में रहता था, जिसमें दासों की संख्या बहुत कम थी।
- **उत्तरी राज्यों में उद्योगों की प्रधानता** थी। उद्योगों में सूती, ऊनी वस्त्र, चमड़े के सामान आदि वस्तुएँ बड़े पैमाने पर उत्पादित होती थीं। इन कारखानों में मजदूरों द्वारा मशीनों से उत्पादन होता था, अतः यहाँ गुलामों अथवा दासों का विशेष महत्व नहीं था।
- दूसरी ओर, अमेरिका के दक्षिणी राज्यों का आर्थिक जीवन कृषि पर आधारित था तथा कृषि में यंत्रों का बहुत अधिक प्रयोग नहीं होता था। अतः इन राज्यों के किसान खेती के लिए गुलामों के श्रम पर निर्भर थे।

Scanned with CamScanner